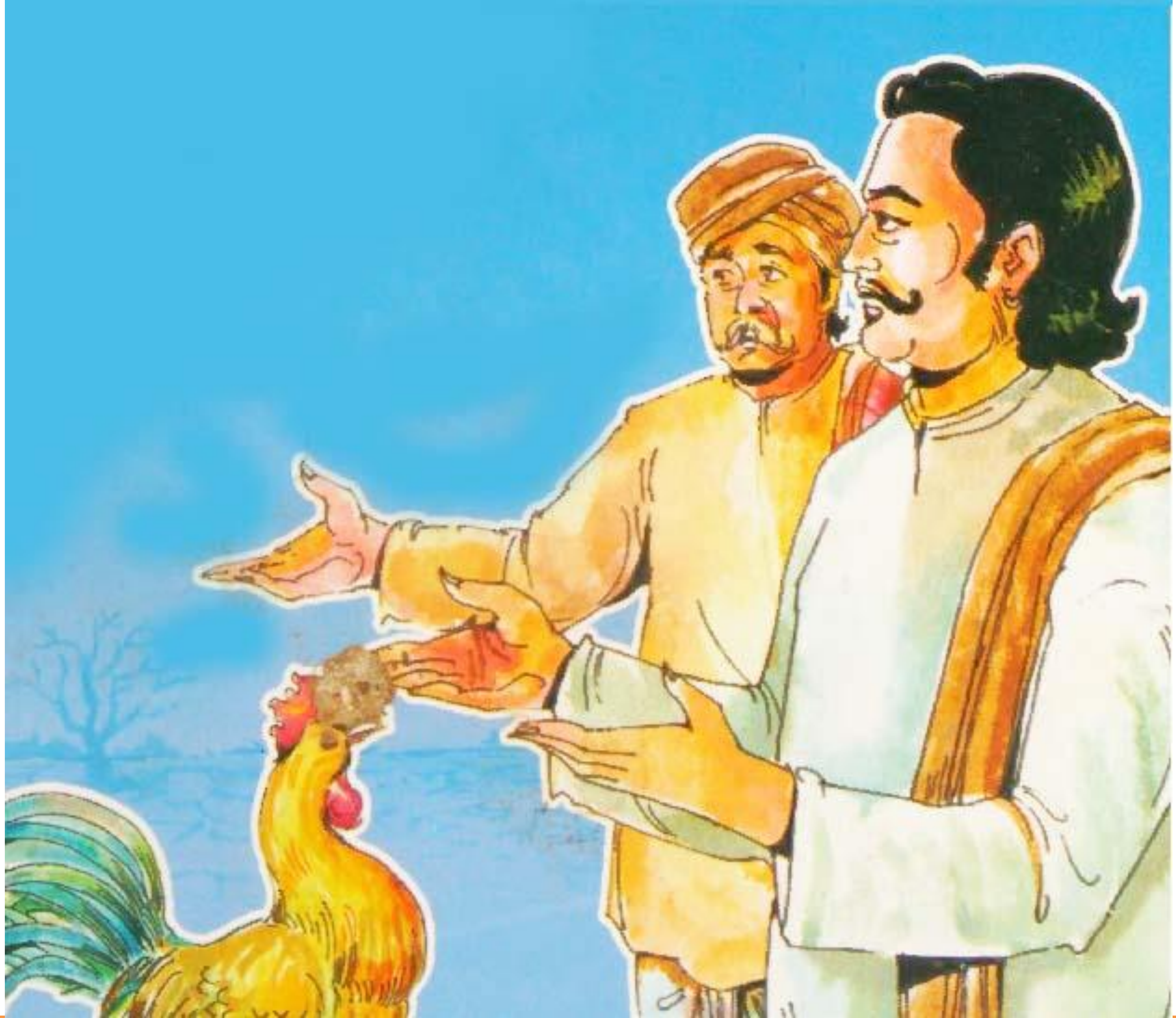
THE ROOSTER'S PLOY

AN INDIAN FOLK TALE

मुर्गे की चाल

एक भारतीय लोक कथा



The Rooster's Ploy

An Indian Folk Tale

मुर्गे की चाल

एक भारतीय लोक कथा



Long long ago in the peak of summer, the people of a distant village began complaining about the sun.

"It's so hot!" said one.

"The river is drying up!" said another.

बहुत समय पहले जब गर्मी अपनी चरम सीमा पर पहुंची तब दूर-दराज़ के गाँव के लोग सूरज के बारे में शिकायत करने लगे.

"बड़ी भयानक गर्मी है!" एक ने कहा.

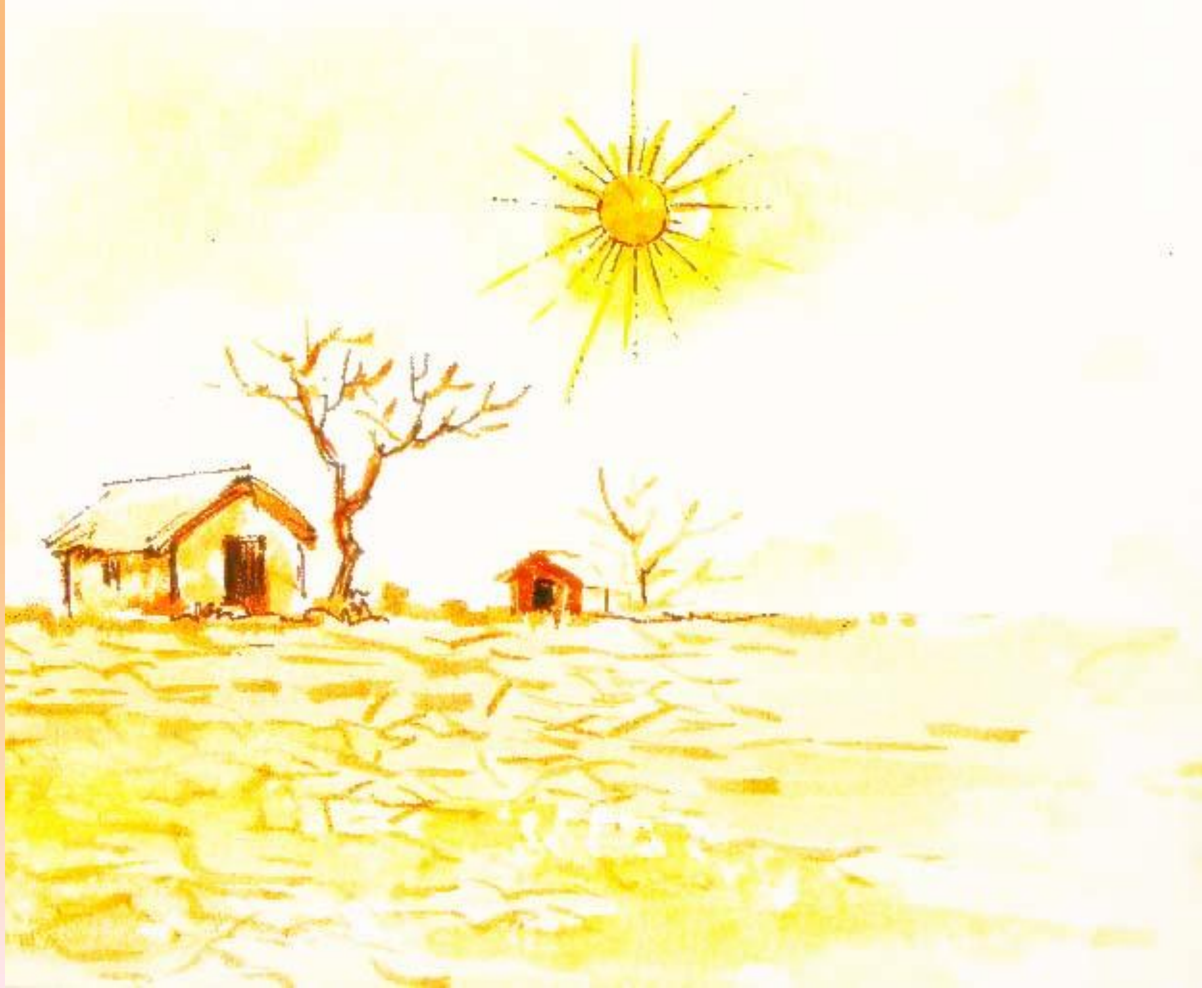
"देखो नदी सूख रही है!" दूसरे ने कहा.



They complained day in and day out.

"Why does the sun have to shine so brightly? Look at all the fields, they are scorched!" the people would say.

They would hide from the sun and one day they looked up and cursed him!



वे दिन-ब-दिन शिकायत करते रहे.

"सूरज इतना तेज क्यों चमक रहा है? ज़रा हमारे खेतों को देखो, वे झुलस गए हैं!" लोगों ने कहा.

लोग सूरज की धूप से छिपने लगे. फिर एक दिन लोगों ने ऊपर देखा और सूरज को शाप दिया!





The sun was very angry. He decided never to show his face to the world again.

He thought, "These ungrateful people! I provide them with light and warmth and help things grow and they curse me! I will go away and never return!"

उससे सूरज बहुत क्रोधित हुआ. उसने फैसला किया कि वो फिर कभी भी दुनिया को अपना चेहरा नहीं दिखाएगा.

उसने सोचा, "लोग कितने कृतघ्न हैं! मैं उन्हें प्रकाश और गर्मी प्रदान करता हूं और जीवित चीज़ों को बढ़ने में मदद करता हूं और वे मुझे शाप देते हैं! मैं अब यहाँ से चला जाऊंगा और फिर कभी वापस नहीं लौटूंगा!"



So the sun went away. The world became a very dark and cold place. Crops would not grow, children became sick, many illnesses spread.

The people were very unhappy. They did not know what to do.



फिर सूरज चला गया. उसके बाद दुनिया एक बहुत अंधेरी और ठंडी जगह बन गई. फसलें नहीं उगीं, बच्चे बीमार हो गए, अनेकों बीमारियाँ फैलने लगीं.

उससे प्रजा बहुत दुखी हुई. लोगों को समझ में नहीं आया कि वे क्या करें.



Then one day an old wise man said, “Let's go to the rooster and tell him of our plight! I'm sure he will be able to help us!”

Everyone agreed and they trooped together into the forest where the rooster lived.

फिर एक दिन एक बूढ़े बुद्धिमान व्यक्ति ने सुझाव दिया, "आओ, मुर्गे के पास चलें और उसे अपनी दुर्दशा बताएं! मुझे यकीन है कि वो ज़रूर हमारी कुछ मदद करेगा!"

हर कोई सहमत हुआ और फिर लोग एक साथ जंगल में गए जहाँ मुर्गा रहता था.



When they reached the rooster's house, the old man called out, “Rooster! Mr. Rooster, please come out, we need your help.”

Hearing the call, the rooster came out.

जब वे मुर्गे के घर पहुँचे, तो बूढ़े व्यक्ति ने पुकारा, "मुर्गे! श्रीमान मुर्गे, कृपया बाहर आओ, हमें तुम्हारी मदद की ज़रूरत है."

पुकार सुनकर मुर्गा बाहर आया.

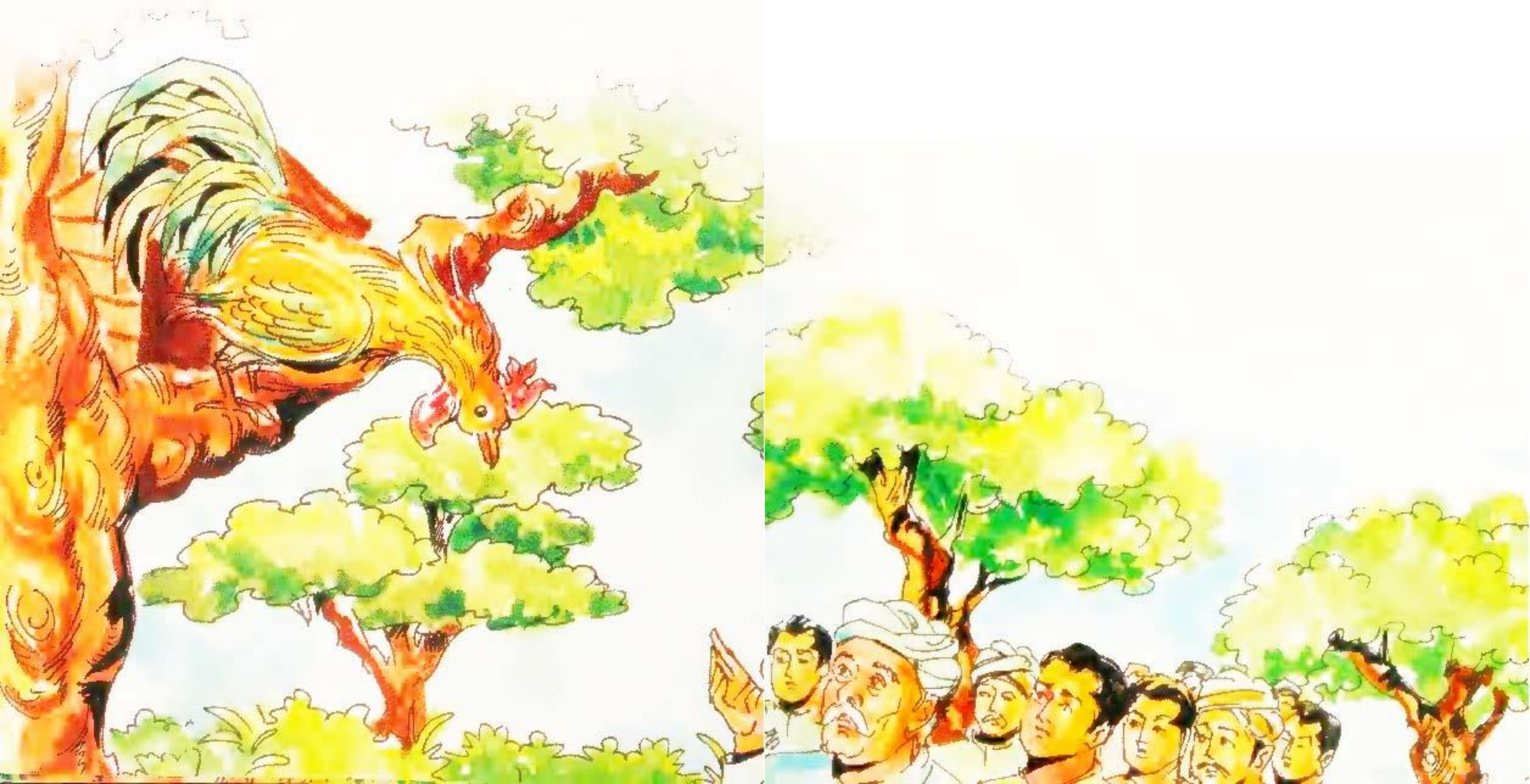


"Oh it's you! What is it?" asked the rooster to the old man.

The old man told the rooster of what had happened and said, "Only you can reason with the sun and make him come back! Please help us!"

"अच्छा तो आप लोग हैं! मुझ से क्या काम है?" मुर्गे ने बूढ़े आदमी से पूछा.

बूढ़े व्यक्ति ने मुर्गे को जो कुछ हुआ था उसके बारे में बताया और कहा, "केवल आप ही सूरज को समझा सकते हैं और उसे फिर से वापस ला सकते हैं! कृपया हमारी मदद करें!"



"Hmmm.... So that's why the sun disappeared. I was wondering what had happened. Alright, I will see what I can do," said the rooster.

He flew up to the heavens and began searching for the sun.

"अच्छा.... तो इसीलिए सूरज गायब हुआ. मैं सोच रहा था कि आखिर उसे क्या हुआ. ठीक है, मैं देखूंगा कि मैं क्या कर सकता हूं," मुर्गे ने कहा.

फिर मुर्गा आकाश में ओर उड़ा और सूर्य को खोजने लगा.





After a long search, the rooster found the sun hiding in a far corner of the heavens.

"There you are Mr. Sun! I've been looking everywhere for you! Now come along! You know those people didn't really mean to curse you! They were just tired of the heat," he said.

लंबी खोज के बाद, मुर्गे को आकाश के एक दूर कोने में सूरज छिपा हुआ मिला.

मुर्गे के कहा, "सूरज महाशय! मैं तुम्हें हर जगह ढूंढ रहा था! क्या तुम्हें पता है लोगों का वास्तव में तुम्हें श्राप देने का कोई इरादा नहीं था! वे बस गर्मी से तंग आ गए थे."



The sun refused to listen to the rooster.

So the rooster shook his head in despair and said, “Alright, do as you please. Now I must go back home in the dark. I am sure to be attacked by some wild beast. The least you can do is, come to my aid if I need help. I will call for you.”

सूरज ने मुर्गे की बात मानने से इंकार कर दिया.

फिर मुर्गे ने निराशा में अपना सिर हिलाया और कहा, "ठीक है, फिर जैसा तुम चाहो वैसा करो. अब मुझे अंधेरे में घर वापस जाना होगा. मुझ पर निश्चित रूप से कोई जंगली जानवर हमला करेगा. तुम कम-से-कम इतना तो कर ही सकते हो कि अगर मुझे मदद की जरूरत हो तो मेरी मदद के लिए आ जाना. मैं तुम्हें बुला लूंगा."



So, the rooster flew back to earth. He entered the forest and hid between the foliage and screamed, "Cock-a-doodle-doo!"

The sun heard the rooster's call and rushed to help him. He searched everywhere but could not find him.



फिर मुर्गा वापस धरती पर वापिस उड़ा. वो जंगल में घुस गया और घने पत्तों के बीच छिप गया और फिर वो चिल्लाया, "कुकड़ू-कूं!"

सूरज ने मुर्गे की आवाज़ सुनी और वो उसकी मदद के लिए दौड़ा हुआ आया. उसने हर जगह तलाश की लेकिन उसे मुर्गा कहीं नहीं मिला.



Even today, every morning the sun rushes out when he hears the rooster's cry.

The people are happy and thankful to the rooster.



आज भी हर सुबह मुर्गे की आवाज सुनकर सूरज तुरंत दौड़ा हुआ आता है.

इसीलिए आज लोग खुश हैं और वे मुर्गे के प्रति आभारी भी हैं.

अंत